RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENSE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

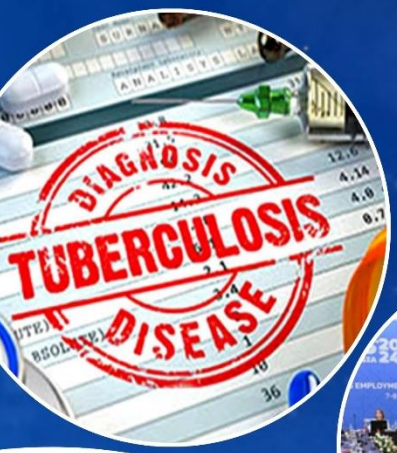

DATE
सितम्बर
09
2024

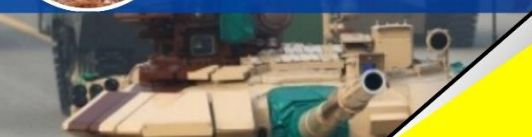

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defense News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह की बैठक 2024 रूस के सोची में आयोजित

रूस के सोची में **ब्रिक्स** के तहत **दूसरी और अंतिम रोजगार कार्य समूह (EWG)** की बैठक आयोजित की गई।

ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह: एक विस्तृत जानकारी

- ✓ **ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह** ब्रिक्स देशों का एक महत्वपूर्ण मंच है, जिसका उद्देश्य **सदस्य देशों में रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा और श्रम बाजार से संबंधित मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा** देना है।
- ✓ यह समूह **ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और विकास को बढ़ावा** देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- ✓ **2016 में हैदराबाद में ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह की पहली बैठक** आयोजित की गई थी।

ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह का उद्देश्य:

- **रोजगार सृजन:** ब्रिक्स देशों में युवाओं के लिए **रोजगार के अवसरों को बढ़ावा** देना और बेरोजगारी की समस्या से निपटना।
- **सामाजिक सुरक्षा:** सभी नागरिकों के लिए **सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं** को मजबूत बनाना।
- **कौशल विकास: कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा** देकर श्रम बाजार की मांग के अनुरूप कौशल विकसित करना।

दूसरी और अंतिम रोजगार कार्य समूह (EWG) की बैठक की मुख्य बातें:

- ✓ **मंत्रिस्तरीय घोषणा का मसौदा:** बैठक का प्रमुख ध्यान **मंत्रिस्तरीय घोषणा के मसौदे को अंतिम रूप** देने पर था।
- ✓ **विचार-विमर्श:** पिछली बैठकों के परिणामों को आगे बढ़ाने के लिए **प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श** किया।
- ✓ **प्राथमिकता वाले क्षेत्र:** जीवन भर सीखने की **रणनीति, व्यावसायिक मार्गदर्शन, रोजगार सेवाओं का आधुनिकीकरण, सुरक्षित और स्वस्थ कामकाजी परिस्थितियों को सुनिश्चित करना**, और सामाजिक समर्थन व्यवस्था पर चर्चा की गई।

प्रतिनिधियों की भागीदारी:

- **ब्रिक्स सदस्य देश: ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका** के प्रतिनिधि।
- **नए सदस्य देश: संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मिस्र, ईरान** के प्रतिनिधि।
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) और अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)** के प्रतिनिधि।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख सलाह:

- **पुन: कौशल और उन्नयन:** कार्यबल की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए **कौशल विकास और उन्नयन की आवश्यकता** पर बल दिया गया।

ब्रिक्स (BRICS) :

ब्रिक्स (BRICS) उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के एक संघ का शीर्षक है। इसके घटक राष्ट्र ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। इन्हीं देशों के अंग्रेज़ी में नाम के **प्रथमाक्षरों B, R, I, C व S** से मिलकर इस समूह का यह नामकरण हुआ है।

ब्रिक्स की स्थापना और विकास:

- **ब्रिक्स का गठन:** ब्रिक्स समूह की **स्थापना 2009** में हुई थी।
- **ब्रिक्स समूह के संस्थापक देश हैं - ब्राज़ील, रूस, भारत, और चीन**
- पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था।
- **2010 में दक्षिण अफ्रीका को** ब्रिक्स समूह में शामिल किया गया, जिससे इसका नाम ब्रिक्स में बदल गया।
- ब्रिक्स समूह का **मुख्यालय शंघाई** में है।

ब्रिक्स का विस्तार:

वर्ष 2023 में ब्रिक्स देशों ने **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात** को नए सदस्य के रूप में शामिल किया।

बहु-दवा प्रतिरोधी टीबी (MDR-TB) के लिए BPALM पद्धति मंजूरी

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अपने **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP)** के तहत बहु-दवा प्रतिरोधी टीबी (MDR-TB) के लिए **BPALM पद्धति** को मंजूरी दी है। इस पद्धति का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप, सतत विकास लक्ष्यों से पांच साल पहले 2025 तक देश को टीबी मुक्त करना है।

इस उपचार पद्धति में एक नई टीबी रोधी दवा प्रीटोमैनिड का उपयोग किया गया है, जिसे बेडाक्विलाइन और लाइनजोलिड (मोक्सीफ्लोक्सासिन के साथ या बिना) के साथ मिलाया गया है।

BPALM पद्धति के प्रमुख घटक:

BPALM पद्धति में चार दवाओं का संयोजन शामिल है:

- **बेडाक्विलाइन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड, मोक्सीफ्लोक्सासिन**

यह उपचार पद्धति पारंपरिक MDR-TB उपचार की तुलना में ज्यादा सुरक्षित, तेज, और प्रभावी है। जबकि पारंपरिक उपचार 20 महीने तक चलता था, BPALM पद्धति मात्र **6 महीने** में दवा प्रतिरोधी टीबी को ठीक करने में सक्षम है और इसकी **सफलता दर भी अधिक** है। इससे भारत के 75,000 दवा प्रतिरोधी टीबी रोगी लाभान्वित होंगे और यह पद्धति **कुल लागत में बचत** का भी कारण बनेगी।

स्वास्थ्य अनुसंधान और सत्यापन:

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के परामर्श से इस नए उपचार का सत्यापन सुनिश्चित किया है। देश के विषय विशेषज्ञों ने साक्ष्यों की गहन समीक्षा की और एक **स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन** भी किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह पद्धति सुरक्षित और किफायती हो।

टीबी उन्मूलन में BPALM का महत्व:

- ✓ इस पद्धति से टीबी के खिलाफ राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में देश की प्रगति को बल मिलेगा।

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP):

- यह कार्यक्रम पहले **संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP)** के नाम से जाना जाता था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2018 में दिल्ली एंड टीबी समिट में पहली बार 2025 तक टीबी उन्मूलन का विजन प्रस्तुत किया था।
- 2020 में RNTCP का नाम बदलकर **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP)** रखा गया ताकि 2025 तक भारत में टीबी को खत्म करने के उद्देश्य को सुदृढ़ किया जा सके।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान और निक्षय मित्र पहल:

- ✓ 9 सितंबर, 2022 को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने **प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान** की शुरुआत की। साथ ही, **निक्षय मित्र पहल** की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य टीबी रोगियों को अतिरिक्त नैदानिक सुविधा, पोषण और सहायता प्रदान करना है।
- ✓ **निक्षय 2.0 पोर्टल** भी टीबी रोगियों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया है, ताकि 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।
- ✓ **निक्षय पोषण योजना:** इसके तहत टी.बी. के रोगियो को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

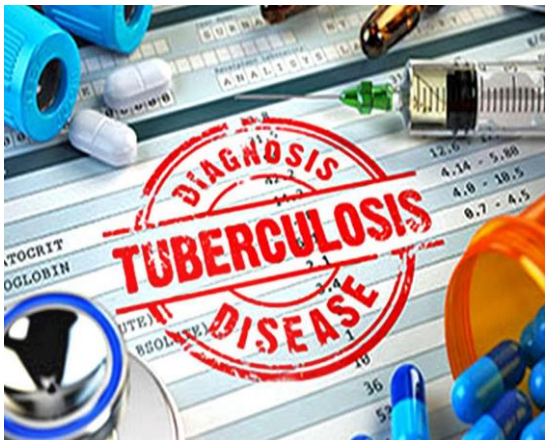

टीबी (तपेदिक/क्षय रोग) के बारे में -

टीबी एक **संक्रामक रोग** है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह बीमारी **माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस** नामक बैक्टीरिया के कारण होती है।

- ✓ **बीसीजी (Bacillus Calmette-Guérin)** का टीका टीबी के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करता है।
- ✓ **भारत टीबी रिपोर्ट 2024** के अनुसार, वर्ष 2023 में देश में **25.52 लाख टीबी के मरीज** थे।

दवा प्रतिरोधी टीबी के प्रकार:

1. **मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी (MDR-TB):** इस प्रकार में बैक्टीरिया कम से कम **आइसोनियाज़िड** और **रिफाम्पिसिन** जैसी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते हैं।
2. **एक्सटेंसिवली-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी (XDR-TB):** इसमें बैक्टीरिया **आइसोनियाज़िड** और **रिफाम्पिसिन** के साथ-साथ किसी भी **फ्लोरोक्विनोलोन** और तीन इंजेक्टेबल सेकंड लाइन दवाओं (जैसे **एमिकासिन, कैनामाइसिन, या कैप्रोमाइसिन)** में से एक के प्रति प्रतिरोधी होता है।
3. **टोटली-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी (TDR-TB):** यह प्रकार सभी फर्स्ट और सेकंड लाइन टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होता है, जिससे इसका उपचार अत्यंत कठिन हो जाता है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार, 2024

07 सितंबर 2024 को जयपुर में **अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु नील गगन दिवस (स्वच्छ वायु दिवस)** मनाया गया। इस अवसर पर **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** श्री भूपेंद्र यादव और **राजस्थान के मुख्यमंत्री** श्री भजन लाल शर्मा ने **'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार'** वितरित किए।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण (SVS) के बारे में -

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण (SVS), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा शुरू की गई एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य वायु गुणवत्ता के आधार पर शहरों को रैंक प्रदान करना और **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)** के तहत **131 गैर-प्राप्ति शहरों** में स्वीकृत गतिविधियों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

- ✓ यदि कोई शहर **5 वर्ष** की अवधि में लगातार **PM10** या **NO2** के लिए **राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानक (NAAQS)** की शर्तों को पूरा करने में असफल रहता है, तो उसे **गैर-प्राप्ति शहर** घोषित कर दिया जाता है।
- ✓ शहरों का वर्गीकरण **2011 की जनगणना** के आधार पर किया गया है।
- ✓ शहरों के मूल्यांकन के लिए **आठ प्रमुख बिंदु** निर्धारित किए गए हैं: **बायोमास** नियंत्रण,, **नगरपालिका ठोस अपशिष्ट** का दहन, **सड़क धूल** प्रबंधन, **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट** से उत्सर्जित धूल का नियंत्रण, **वाहन उत्सर्जन** में कमी, **औद्योगिक उत्सर्जन** की निगरानी, **जन जागरूकता** बढ़ाना, **PM10 सांद्रता** में सुधार।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार 2024:

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार 2024 के तहत तीन श्रेणियों में विजेता शहरों के नगर आयुक्तों को **नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र** देकर सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले NCAP शहर :

- **स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार श्रेणी-1 (10लाख से अधिक जनसंख्या) -** सूरत (गुजरात), जबलपुर (मध्यप्रदेश), आगरा (उत्तरप्रदेश)
- **श्रेणी-2 (3 से 10 लाख के बीच की जनसंख्या) -** फिरोजाबाद (उत्तरप्रदेश), अमरावती (महाराष्ट्र), झांसी (उत्तरप्रदेश)
- **श्रेणी-3 (3 लाख से कम जनसंख्या) -** रायबरेली (उत्तरप्रदेश), नलगोंडा (तेलंगाना), नालागढ़ (हिमाचल प्रदेश)

केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने सभी शहरों को प्रोत्साहित करते हुए **मिशन लाइफ** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने **युवा वैज्ञानिकों और छात्रों** को **'आईडियाज फॉर लाइफ'** अभियान में भाग लेने और **सात स्थायी जीवनशैली पहल** पर नवाचारी विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया।

NCAP कार्यक्रम और वायु गुणवत्ता सुधार के प्रयास:

- इस कार्यक्रम में एक वीडियो प्रदर्शित किया गया जिसमें **131 NCAP शहरों** में वायु गुणवत्ता में सुधार का आकलन प्रस्तुत किया गया। **51 शहरों** ने पीएम10 के स्तर में **20% से अधिक** की कमी दिखाई, जिसमें से **21 शहरों** ने **40% से अधिक** सुधार हासिल किया।

स्वच्छ वायु दिवस की थीम:

- इस वर्ष के आयोजन की थीम **'स्वच्छ वायु में निवेश करें'** थी।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP):

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण की समस्या को एक व्यवस्थित तरीके से संबोधित करना है, जिसमें सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। NCAP के तहत, **131 शहरों** को विशिष्ट कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है।

लक्ष्य:

- ✓ NCAP का उद्देश्य वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा तैयार करना है, जो भारत में अपनी तरह की पहली पहल है।
- ✓ इसके तहत, अगले पांच वर्षों (2017 को आधार वर्ष मानते हुए) में **PM10** और **PM2.5** की सांद्रता में कम से कम **20%** की कमी करने का लक्ष्य रखा गया है।

निगरानी: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने NCAP के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए **"प्राण"** पोर्टल लॉन्च किया है।

- यह पोर्टल NCAP की प्रगति की निगरानी करता है।
- यह पोर्टल शहरों की कार्य योजनाओं और उनके कार्यान्वयन की स्थिति पर नज़र रखता है।
- यह पोर्टल शहरों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करता है, ताकि अन्य शहर भी इन्हें अपनाकर सुधार कर सकें।

वर्ल्ड स्किल्स 2024

वर्ल्डस्किल्स 2024 के 47वें संस्करण, में भाग लेने के **लिए भारत का 60 सदस्यीय युवा दल फ्रांस के ल्योन** में पहुंचा। यह हर **दो साल में एक बार आयोजित** होता हैं।

वर्ल्डस्किल्स 2024:

- इस वर्ष की प्रतियोगिता 10-15 सितंबर, 2024 के दौरान यूरोएक्सपो ल्योन, फ्रांस में आयोजित होगी, **जिसमें 1,400 से अधिक प्रतियोगी और 1,300 विशेषज्ञ भाग** लेंगे।
- यह आयोजन कौशल का ओलंपिक खेल माना जाता है, जिसमें 2.5 लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति की उम्मीद है।

प्रतियोगिता की तैयारी: दिशा-निर्देशों का पालन

- ✓ वर्ल्डस्किल्स 2024 में, कौशल प्रबंधन योजना के तहत दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए प्रतियोगिता की तैयारी की गई।
- ✓ विभिन्न कौशल विशेषज्ञ वर्कस्टेशनों की **स्थापना, औजारों और उपकरणों** को अंतिम रूप देने और तकनीकी विशिष्टताओं को संरेखित करने में व्यस्त हैं ताकि प्रतियोगिता के लिए एक मानकीकृत और निष्पक्ष वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

सुरक्षा प्रोटोकॉल और मूल्यांकन मानदंड:

- प्रत्येक कौशल श्रेणी में विशेषज्ञों ने **सुरक्षा प्रोटोकॉल, प्रतियोगिता से जुड़े कामों और मूल्यांकन** मानदंडों की विस्तृत जांच की।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतियोगिता विश्वस्तरीय मानकों के अनुसार संचालित हो, सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

भारतीय दल का प्रशिक्षण और समर्थन:

- ✓ भारतीय दल को प्रशिक्षित करने में **52 से अधिक वर्ल्डस्किल्स विशेषज्ञों और 100 से अधिक उद्योग और शैक्षणिक भागीदारों** ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- ✓ दल ने टोयोटा किर्लोस्कर, मारुति, लिंकन इलेक्ट्रिक जैसे प्रमुख कंपनियों द्वारा समर्थित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है और फैशन तकनीक, ब्रिकलेइंग, और कंक्रीट निर्माण के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

महिलाओं की भागीदारी और विविधता:

- इस वर्ष की टीम में महिलाओं ने पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों जैसे **वेल्डिंग, प्लंबिंग और हीटिंग में प्रतिस्पर्धा** की है।
- यह टीम भारत की विविधता को दर्शाती है, जिसमें मिजोरम से लेकर **जम्मू और कश्मीर तक, उत्तर से दक्षिण तक, और अंडमान निकोबार द्वीप क्षेत्र जैसे दूरस्थ इलाकों से प्रतिभागी** शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण और तैयारी:

- प्रतियोगियों को इस बार पहली बार अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण मिला और उन्हें **स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान, ऑस्ट्रिया, थाईलैंड, और दुबई** जैसे देशों में भेजा गया।
- भारतीय दल ने प्रशिक्षण के अंतिम चरण में 1-3 सितंबर, 2024 **को नई दिल्ली में योग सत्र, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, पोषण सलाह, और अन्य दिशानिर्देशों** में भाग लिया।

वर्ल्डस्किल्स: एक वैश्विक कौशल प्रतियोगिता

वर्ल्डस्किल्स एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना और युवाओं में व्यावसायिक कौशल को विकसित करना है। **वर्ल्डस्किल्स** व्यावसायिक कौशल के लिए विश्व और राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करती है। यह हर दो साल में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की जाती है, और व्यावसायिक कौशल के बारे में सम्मेलन भी आयोजित करती है।

वर्ल्डस्किल्स का उद्देश्य:

- **कौशल विकास:** युवाओं में व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देना और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना।
- **अंतरराष्ट्रीय मानक:** व्यावसायिक कौशल के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को स्थापित करना और उन्हें बढ़ावा देना।
- **देशों के बीच सहयोग:** देशों के बीच व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना।

वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता:

- ✓ **विभिन्न क्षेत्र:** प्रतियोगिता में निर्माण, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, रचनात्मक कलाओं और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में कौशल का प्रदर्शन किया जाता है।
- ✓ **प्रतियोगी:** प्रतियोगी आमतौर पर 23 वर्ष से कम आयु के होते हैं और वे गहन परीक्षण में भाग लेते हैं, ऐसे कार्य पूरे करते हैं जो समकालीन उद्योग मानकों को दर्शाते हैं।
- ✓ **विजेता:** प्रतियोगिता के विजेता को "वर्ल्डस्किल्स चैंपियन" का खिताब दिया जाता है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' पहल की शुरू की

हाल ही में **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी** ने **गुजरात के सूरत** में **'जल संचय जन भागीदारी'** पहल की शुरू की। यह पहल **जल संरक्षण** पर केंद्रित है, जो **सामुदायिक भागीदारी और स्वामित्व** पर विशेष जोर देती है। इसे समग्र समाज और सरकार के दृष्टिकोण से प्रेरित किया गया है।

- इस कार्यक्रम के तहत पूरे गुजरात राज्य में लगभग **24,800 वर्षा जल संचयन संरचनाओं** का निर्माण किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल को संचित करके लंबे समय तक जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
- यह पहल वर्तमान में चल रहे **जल शक्ति अभियान: 'कैच द रेन अभियान'** के अनुरूप है।

जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी की भूमिका:

- ✓ **स्थानीय समुदाय जल स्रोतों, उपभोग के पैटर्न और पर्यावरण** की गतिशीलता के बारे में महत्वपूर्ण स्थानीय जानकारी और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, जैसे कि नागालैंड की जाबो जल संरक्षण विधि।
- ✓ वे पारंपरिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार में भी योगदान देते हैं। उदाहरण के लिए, **तमिलनाडु** में सामुदायिक सहयोग से प्राचीन तालाब और टैंकों की देखरेख और पुनर्निर्माण की परंपरा **"कुडिमारामतु"** को पुनर्जीवित किया गया है।
- ✓ सामुदायिक भागीदारी से तलछट हटाने और जल स्रोतों का पुनरुद्धार किया जा सकता है, जैसे **आंध्र प्रदेश** के **"नीरु-चुट्टु"** कार्यक्रम के माध्यम से।
- ✓ यह सुनिश्चित होता है कि जल प्रबंधन की रणनीतियाँ समावेशी हों और समाज के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करती हों। **लद्दाख में "ज़िंग"** नामक छोटे टैंक, जो पिघलते ग्लेशियर के पानी को संचित करते हैं, इसका एक उदाहरण हैं।
- ✓ स्थानीय समुदाय जल दक्षता को बढ़ावा देते हैं, जैसे कि **बिहार में जल जीवन हरियाली पद्धति** के माध्यम से।

प्रधानमंत्री ने देश में जल संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए **'रिड्यूस, रीयूज, रिचार्ज और रीसाइकिल'** के सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि जल संरक्षण केवल नीतियों का मामला नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक प्रयास और गुण भी है। इसके साथ ही, यह नीतियों से अधिक सामाजिक प्रतिबद्धता का विषय है।

अन्य जल संरक्षण पहलें:

- **अटल भूजल योजना:** यह योजना समुदायों द्वारा संचालित **टिकाऊ भूजल प्रबंधन** का उदाहरण है।
- **जल जीवन मिशन:** इस मिशन में पानी समितियों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, जो **ग्रामीण घरों** में जल संग्रहण और उपयोग की प्रमुख दायित्व निभाती हैं।
- **एक पेड़ मां के नाम:** यह पहल समुदायों को वनीकरण के जरिए **भूजल पुनर्भरण** के लिए प्रेरित करती है।
- **नमामि गंगे पहल:** यह पहल नागरिकों में भावनात्मक संकल्प बन गई है, जिससे लोगों ने नदियों की स्वच्छता के लिए पुरानी प्रथाओं को छोड़ दिया है।

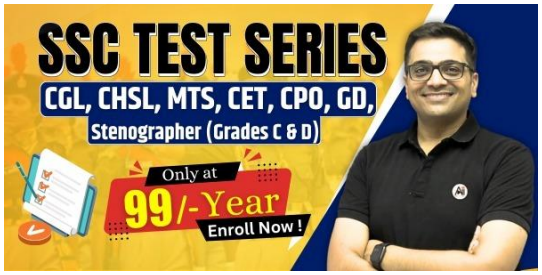

मेगा ऑयल पाम प्लांटेशन ड्राइव 2024

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयलपाम के तहत **मेगा ऑयल पाम प्लांटेशन ड्राइव 2024** के दौरान **भारत के 15 राज्यों में 12,000 हेक्टेयर** से अधिक क्षेत्र में **17 लाख से अधिक ऑयल पाम पौधे** रोपे गए। इस पहल से **10,000 से अधिक किसानों को लाभ** हुआ है। इस अभियान ने देश में ऑयल पाम की खेती के विस्तार की दिशा में **भारत सरकार, राज्य सरकारों, और ऑयल पाम प्रसंस्करण कंपनियों** के सामूहिक प्रयासों को उजागर किया है।

- **उद्देश्य:** राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयलपाम के तहत ऑयल पाम की खेती का विस्तार।
- **क्षेत्रफल:** 15 राज्यों में 12,000 हेक्टेयर से अधिक।
- **पौधे रोपने की संख्या:** 17 लाख से अधिक।
- **लाभान्वित किसान:** 10,000 से अधिक।
- **अभियान की अवधि:** 15 जुलाई 2024 से 15 सितंबर 2024 तक।
- **भागीदार राज्य:** आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा।
- **सहयोगी कंपनियां:** पतंजलि फूड प्राइवेट लिमिटेड, गोदरेज एग्रोवेट, 3एफ ऑयल पाम लिमिटेड।

महत्व:

- ✓ इस ड्राइव ने भारत में ऑयल पाम खेती के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है और **खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लक्ष्य** को आगे बढ़ाया है।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयलपाम का उद्देश्य:

- ✓ **भारत सरकार द्वारा अगस्त 2021** में शुरू किए गए **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयलपाम (एनएमईओ-ओपी)** का उद्देश्य ऑयल पाम क्षेत्र के विकास के लिए एक मूल्य श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना और कच्चे पाम तेल (CPO) के उत्पादन को बढ़ावा देना है।
- ✓ मेगा ऑयल पाम प्लांटेशन ड्राइव इस व्यापक रणनीति का एक प्रमुख घटक है, जिसका **लक्ष्य खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करना, आयात निर्भरता को कम करना, और भारतीय किसानों की आय बढ़ाना** है।

पाम तेल के फायदे:

- **सस्ता:** पाम तेल अन्य वनस्पति तेलों की तुलना में सस्ता होता है।
- **बहुमुखी:** पाम तेल का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।
- **ऊर्जा का अच्छा स्रोत:** पाम तेल में उच्च कैलोरी होती है।

पाम तेल के नुकसान:

- **स्वास्थ्य के लिए हानिकारक:** पाम तेल में संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है, जो हृदय रोगों का खतरा बढ़ा सकती है।
- **धमनियों में सख्तपन:** वसा धमनियों को सख्त व रक्त के प्रवाह को बाधित कर सकती है।

पाम तेल (Palm oil):

पाम तेल एक प्रकार का वनस्पति तेल है जो ताड़ के पेड़ के फल से निकाला जाता है। यह दुनिया भर में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में से एक है। इसका उपयोग खाद्य पदार्थों, सौंदर्य उत्पादों और जैव ईंधन में किया जाता है।

पाम तेल का उत्पादन:

पाम तेल मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया में उत्पादित किया जाता है।

पाम तेल के प्रकार:

पाम तेल मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है:

- **पाम ऑयल:** यह तेल ताड़ के फल के गूदे से निकाला जाता है। यह लाल रंग का होता है और इसमें विटामिन ई और कैरोटीन जैसे पोषक तत्व होते हैं।
- **पाम केरनेल ऑयल:** यह तेल ताड़ के फल के बीज से निकाला जाता है। यह सफेद रंग का होता है और इसमें पाम ऑयल की तुलना में अधिक संतृप्त वसा होती है।

पाम तेल के उपयोग:

- **खाद्य उद्योग:** पाम तेल का उपयोग कुकिंग ऑयल, मार्जरीन, चॉकलेट, आइसक्रीम और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है।
- **सौंदर्य उत्पाद:** पाम तेल का उपयोग साबुन, शैंपू, क्रीम और अन्य सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है।
- **जैव ईंधन:** पाम तेल का उपयोग जैव ईंधन बनाने में किया जाता है। पाम तेल का उपयोग साबुन, मोमबत्ती और अन्य उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

पहला संयुक्त परिचालन समीक्षा एवं मूल्यांकन (कोर) कार्यक्रम

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (IDS) 09 से 13 सितंबर 2024 तक नई दिल्ली के **USI** में तीनों सेनाओं के **मेजर जनरल और समकक्ष अधिकारियों** के लिए **संयुक्त परिचालन समीक्षा और मूल्यांकन (कोर)** कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह **पांच दिवसीय** कार्यक्रम रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारियों के लिए भी तैयार किया गया है।

कोर कार्यक्रम की अवधारणा और उद्देश्य:

- ✓ इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों को भविष्य की **नेतृत्व भूमिकाओं** के लिए तैयार करना है।
- ✓ इसमें रणनीतिक योजना, भविष्य के खतरों और संघर्षों का सही आकलन, और उनसे निपटने की तैयारी जैसे कौशलों का विकास किया जाएगा।
- ✓ कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के बीच **सहयोग और समन्वय** बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि युद्ध परिचालन वातावरण की **विस्तृत समझ** विकसित की जा सके।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

- **30 प्रख्यात वक्ताओं** और विषय विशेषज्ञों द्वारा पैनल चर्चाएं और व्याख्यान।
- भविष्य के युद्ध परिदृश्यों, **साइबर एवं सूचना युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** और स्वायत्त प्रणालियों के सेना में उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श।
- हाल के वैश्विक संघर्षों से मिले **सबक** और युद्ध की बदलती प्रकृति पर चर्चा।

एकीकृत रक्षा स्टाफ (IDS) के बारे में:

एकीकृत रक्षा स्टाफ (IDS) भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं - थल सेना, नौसेना और वायु सेना - के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग स्थापित करने के लिए बनाया गया एक संगठन है।

IDS की स्थापना और उद्देश्य:

- 01 अक्टूबर 2001 को, भारत की **राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना** को मजबूत करने के उद्देश्य से IDS की स्थापना की गई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य **तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता** को बढ़ावा देना है, जो इसके आदर्श वाक्य **'संयुक्तता के माध्यम से विजय'** को सही मायने में दर्शाता है।
- वर्तमान में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) **जनरल अनिल चौहान** हैं।

मुंबई समाचार की डॉक्यूमेंट्री '200 नॉट आउट' का विमोचन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री **श्री अमित शाह** ने मुंबई में **मुंबई समाचार (बॉम्बे समाचार) की डॉक्यूमेंट्री '200 नॉट आउट'** का विमोचन किया।

मुंबई समाचार (बॉम्बे समाचार) के बारे में:

मुंबई समाचार भारत का पहला समाचार पत्र था, जो 1822 में मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में प्रकाशित हुआ था। यह एक मराठी भाषा का साप्ताहिक समाचार पत्र था, जो मुख्य रूप से मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में प्रसारित होता था।

मुंबई समाचार का इतिहास:

- **स्थापना:** मुंबई समाचार की **स्थापना 1822 में मुंबई** में हुई थी।
- **प्रकाशक:** समाचार पत्र का प्रकाशन मुंबई के **एक पारसी परिवार, राखाबदास मलजी** द्वारा किया जाता था।
- **मराठी भाषा:** मुंबई समाचार मराठी भाषा में प्रकाशित होता था, जो उस समय भारतीय उपमहाद्वीप में एक प्रमुख भाषा थी।
- **सामग्री:** समाचार पत्र में **समाचार, लेख, कविताएं, और अन्य साहित्यिक सामग्री** प्रकाशित होती थी।

मुंबई समाचार का महत्व:

- ✓ **भारतीय प्रेस का जनक:** मुंबई समाचार को भारत **में आधुनिक प्रेस का जनक** माना जाता है।
- ✓ **राष्ट्रीय जागरण:** इस समाचार पत्र ने भारतीयों में **राष्ट्रीय जागरण और स्वतंत्रता आंदोलन** को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- ✓ **समाचार प्रसार:** मुंबई समाचार ने भारत में **समाचार और जानकारी के प्रसार** में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- ✓ **साहित्यिक मंच:** यह समाचार पत्र **साहित्यकारों और लेखकों** के लिए एक मंच प्रदान करता था।

समारोह की मुख्य बातें:

- मुंबई समाचार ने कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं की रिपोर्टिंग की है, जैसे **1857 की क्रांति, कांग्रेस की स्थापना, और स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख पल।**
- **पारसी समुदाय का सम्मान:**
  - पारसी समुदाय की सेवा और योगदान की सराहना की गई।
  - इस समुदाय की सामाजिक और औद्योगिक उपलब्धियों को मान्यता दी गई और मुंबई समाचार के योगदान को भी सराहा गया।

दूसरा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मीडिया सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) और **विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (VIF)** 11 सितंबर, 2024 को **"टकराव से बचने और सतत विकास के लिए विचारशील संचार"** विषय पर **दूसरे अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मीडिया सम्मेलन** का आयोजन करेगा। यह अनूठा कार्यक्रम **वीआईएफ, नई दिल्ली** में आयोजित होगा।

मुख्य भागीदार:

- सम्मेलन में **18 देशों के मीडिया प्रतिनिधि** शामिल होंगे, जो वैश्विक संकटों से निपटने और मीडिया संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने के लिए बौद्ध शिक्षाओं को आधुनिक मीडिया व्यवहारों में कैसे शामिल किया जा सकता है, इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सम्मेलन का उद्देश्य:

- दूसरे अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मीडिया सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य **नैतिक पत्रकारिता को बढ़ावा देना, विचारशील संचार को प्रोत्साहित करना और पूरे एशिया में बौद्ध मीडिया** पेशेवरों का एक नेटवर्क स्थापित करना है।

पहले सम्मेलन की सफलता:

- **पहले सम्मेलन में 12 विभिन्न देशों के बौद्ध पत्रकारों और मीडिया दिग्गजों ने भाग लिया** और मीडिया कार्यकलापों में बौद्ध सिद्धांतों को एकीकृत करने के लिए एक मजबूत आधारशिला रखी।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (ICB):

- **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (International Buddhist Confederation - IBC)** एक वैश्विक संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य बौद्ध धर्म को बढ़ावा देना और दुनिया भर के बौद्ध समुदायों को एक मंच प्रदान करना है।
- यह संगठन बौद्ध धर्म के मूल्यों को बढ़ावा देने, बौद्ध संस्कृति को संरक्षित करने और विभिन्न देशों के बौद्ध समुदायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (VIF): एक संक्षिप्त परिचय

- **विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (VIF)** एक भारतीय थिंक टैंक है जो स्वामी विवेकानंद के विचारों और दर्शन से प्रेरित है।
- **VIF की स्थापना 1993 में हुई थी।**
- यह संस्था भारत की **विदेश नीति, रणनीतिक मामलों, और सामाजिक मुद्दों पर शोध और विश्लेषण** करती है।
- VIF का उद्देश्य भारत की **वैश्विक भूमिका को मजबूत करना और एक शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व** के निर्माण में योगदान देना है।

जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने गोरखपुर वन प्रभाग के भारीवैसी, कैंपियरगंज रेंज में **जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र** का उद्घाटन किया।

जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र की स्थापना:

- ✓ उत्तर प्रदेश वन विभाग ने **बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी** के सहयोग से **महराजगंज में एशियन किंग गिद्ध के लिए विश्व का पहला संरक्षण और प्रजनन केंद्र** स्थापित किया है।
- ✓ **2.8 करोड़ रुपये** की लागत से निर्मित यह केंद्र गोरखपुर वन प्रभाग के **1.5 हेक्टेयर क्षेत्र** में फैला हुआ है।

केंद्र की सुविधाएँ:

- जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र **में गिद्धों के लिए कई पिंजरे, किशोर गिद्धों के लिए एक नर्सरी, चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले गिद्धों के लिए एक अस्पताल और पुनर्प्राप्ति सुविधा, तथा एक खाद्य प्रसंस्करण** केंद्र शामिल हैं।
- विशेष रूप से, केंद्र में एक ऊष्मायन केंद्र भी स्थापित किया गया है जो **गिद्ध के अंडों को कृत्रिम रूप से पालने** में सहायता करता है, जिससे **100% परिणाम सुनिश्चित** किए जा सकें।

गिद्धों की प्रजनन और संरक्षण:

- एशियन किंग गिद्ध, जो अपने जीवनकाल में केवल एक साथी बनाते हैं और मादा गिद्ध **एक वर्ष में सिर्फ एक अंडा** देती है, जटायु केंद्र में अंडों को ऊष्मायन केंद्र में नियंत्रित वातावरण में तैयार किया जाएगा। मादा द्वारा अंडा देने के बाद, जटायु केंद्र बंदी गिद्धों को पुन: जंगल में छोड़ देगा।

जटायु केंद्र का लक्ष्य:

- इस केंद्र का उद्देश्य **अगले 8 से 10 वर्षों में 40 जोड़े गिद्धों** को जंगल में छोड़ना है। वर्तमान में केंद्र में **छह एशियन किंग गिद्ध (एक नर और पांच मादा)** मौजूद हैं।

एशियन किंग गिद्ध की स्थिति:

- एशियन किंग गिद्ध, जिसका वैज्ञानिक नाम **सरकोजिप्स कैल्वस** है, मुख्यत: उत्तर भारत में पाया जाता है।
- यह पक्षी आईयूसीएन **(इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर)** की गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल है।
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1**
- ऐसे मृत जानवरों को खाने वाला गिद्ध बीमार पड़ जाता है, सिर/गर्दन झुकने के सिंड्रोम से पीड़ित हो जाता है और अंतत: मर जाता है।

डिजी यात्रा

हाल ही में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने **9 हवाई अड्डों** के लिए डिजी यात्रा सुविधा का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, **डिजी यात्रा सक्षम हवाई अड्डों की कुल संख्या अब 24** हो गई है।

डिजी यात्रा की विशेषताएँ:

- यह सुविधा पहली बार **2022 में नागर विमानन मंत्रालय द्वारा लॉन्च** की गई थी।
- डिजी यात्रा एक डिजिटल पहल है जो **फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक** पर आधारित है। इसका उद्देश्य हवाई अड्डों पर यात्रियों को निर्बाध, संपर्क रहित और कागज रहित बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करना है।

मुख्य स्तंभ:

डिजी यात्रा के प्रमुख स्तंभों में शामिल हैं:

- **कनेक्टेड पैसेंजर्स**
- **कनेक्टेड एयरपोर्ट्स**
- **कनेक्टेड फ्लाइट्स**
- **कनेक्टेड सिस्टम्स**

लाभ और सुरक्षा:

- इस प्रणाली से बोर्डिंग के चेक पोस्ट पर काम का **बोझ कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग** सुनिश्चित होगा, जिससे परिचालन की लागत में कमी आएगी।
- डिजी यात्रा किसी भी व्यक्तिगत **पहचान योग्य जानकारी का केंद्रीय भंडारण नहीं** करती है।
- सभी यात्री डेटा को **एन्क्रिप्ट** किया जाता है और सुरक्षित रूप से उनके स्मार्टफोन में संग्रहीत किया जाता है।
- यह डेटा केवल कुछ समय के लिए **बोर्डिंग हवाई अड्डे** के साथ साझा किया जाता है और **फ्लाइट डिपार्चर के 24 घंटे के भीतर नष्ट** कर दिया जाता है।

सेमिकॉन इंडिया 2024

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा के **इंडिया एक्सपो मार्ट** में 11 से 13 सितंबर तक **सेमिकॉन इंडिया** का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)** के समर्थन से देश के बढ़ते **सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम** को प्रदर्शित करेगा।

प्रदर्शनी और लाभ:

- ✓ इस कार्यक्रम की प्रमुख प्रदर्शनी में वैश्विक **सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला से 250** से अधिक प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है।
- ✓ यह प्रदर्शनी **सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स में नवीनतम प्रगति** को दर्शाने का एक अवसर प्रदान करेगी।

राज्य सरकारों की भागीदारी

- इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के अधिकारी, जैसे उत्तर प्रदेश, गुजरात, असम, कर्नाटक, ओडिशा और तमिलनाडु, **सेमीकंडक्टर निवेश आकर्षित करने** और **पारिस्थितिकी तंत्र** के विस्तार के लिए प्रगतिशील नीतियों का परिचय देंगे।

उद्योग की दिशा और युवाओं के लिए अवसर:

- कार्यक्रम में **बड़ी संख्या में कंपनियों की भागीदारी** की उम्मीद है।
- सेमीकंडक्टर उद्योग में संभावित **रोजगार अवसरों** पर भी ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से युवाओं के लिए, जो इस क्षेत्र में **कौशल विकसित** कर सकते हैं और रोजगार के अवसर पा सकते हैं।

भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र का विकास:

- ✓ भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग अभी भी प्रारंभिक चरण में है, और विभिन्न स्थानीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विशाल संभावनाओं को तलाश रही हैं।
- ✓ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **गुजरात के साणंद** में एक नई सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने की मंजूरी दी है, जो **भारत की पांचवीं सेमीकंडक्टर इकाई** होगी।
- ✓ **जून 2023 में और फरवरी 2024 में कई** अन्य सेमीकंडक्टर इकाइयों की मंजूरी दी गई है।
- ✓ गुजरात के साणंद में **अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रोन का हाई-एंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट 2024** के अंत में चालू होने की उम्मीद है।

समापन और भविष्य की राह:

- भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का कुल विनिर्माण क्षमता का लगभग **70% दक्षिण कोरिया, ताइवान, चीन, अमेरिका और जापान** में केंद्रित है।
- भारत भी जल्द ही इस क्षेत्र में व्यावसायिक उत्पादन शुरू करेगा और **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला** में एक प्रमुख स्थान प्राप्त करेगा।
- भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण में दशकों खो दिए हैं, और अब **आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया योजना** के हिस्से के रूप में, सरकार ने भारतीय निर्माताओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में लाने के लिए कई पहल की हैं।